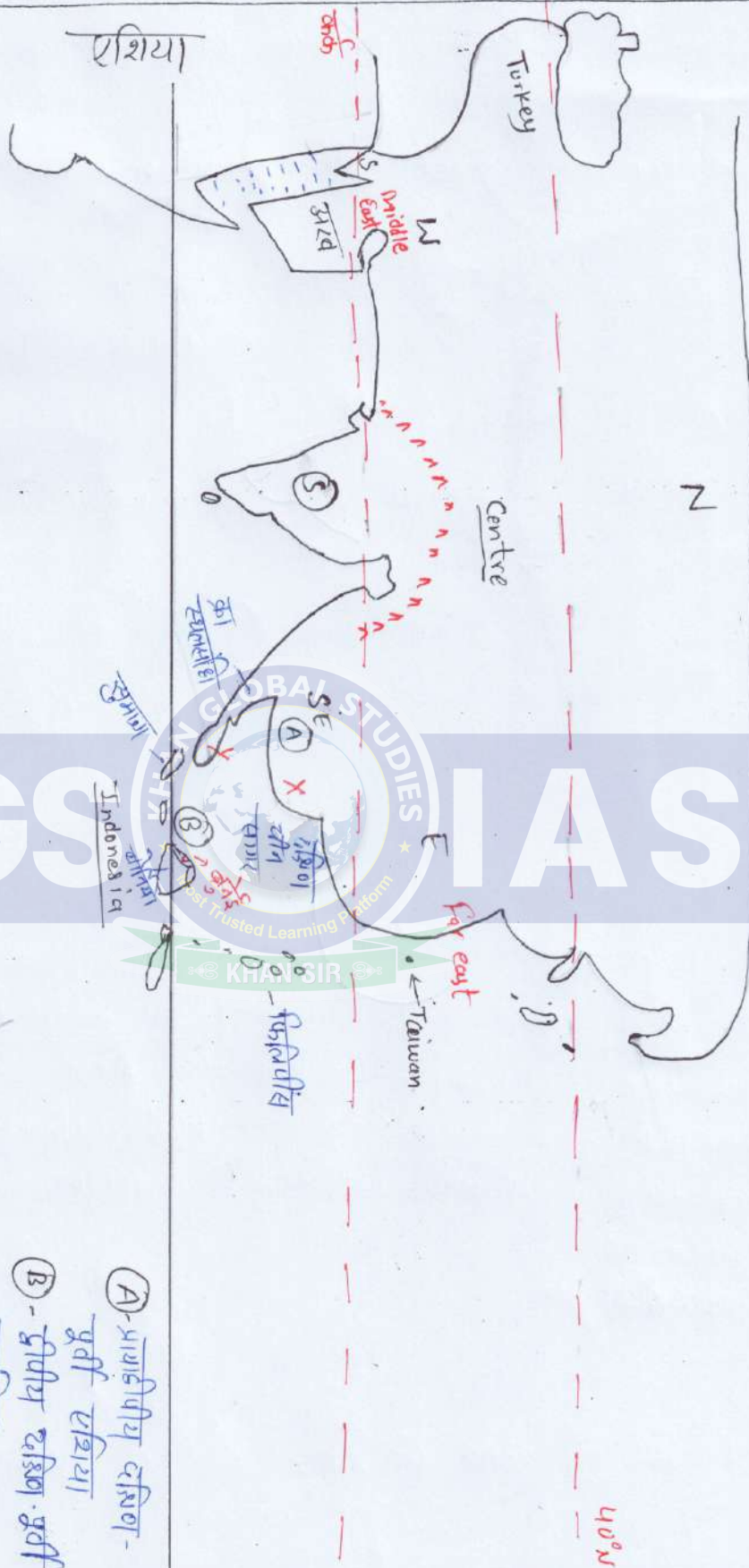




- A - प्रायश्चित्तीय दर्शना-
 पूर्वी एशिया।
 B - द्वितीय दक्षिण-पूर्वी
 एशिया।
 X - इंडो-चीन प्रायश्चित्तीय
 Y - भक्त्य प्रयाश्चित्तीय

- का स्थलसंधि इंडो-चीन प्रायद्वीप और मलय प्रायद्वीप को जोड़ती है।
- मलक्का जल संधि अंडमान सागर और दक्षिण चीन सागर को जोड़ती है।
- उत्तर से दक्षिण की ओर दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की राष्ट्रधानियां -
 - हनोई
 - नेपिथे
 - वियेतनाम
 - मनीला
 - बैंकाक
 - नोमपेन
 - बंदर सेरी बगावान
 - क्वालालेपुर
 - अकारा

- विश्व का सबसे बड़ा प्रायद्वीप अरब प्रायद्वीप है।
- लामोस स्थलबद्ध देश है।

प्रश्न- इंडोनेशिया और फिलिपींस द्वीप समूह में ल्हारों द्वीपों के निर्माण का क्या कारण है।

- इसका मूल कारण लैथे का अभिसरण है।
- इसका दूसरा कारण यहां ज्वाल भित्तियों का निर्माण है। यहां कई द्वीप ज्वाल भित्तियों से बने हैं।
- प्रशांत महासागरीय प्लेट का अभिसरण महाद्वीपीय प्लेट के नीचे।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भी लैथे के अभिसरण से बने हैं, जबकि लक्षद्वीप का निर्माण ज्वाल भित्तियों

से हुआ है।

→ इंडोनेशिया के द्वीप में ज्वालामुखी द्वीप (हॉट स्पॉट से) भी पाये जाते हैं।

→ इसके अलावा अवसादों के द्वारा भी द्वीपों का निर्माण होता है। इस प्रकार के द्वीप मानव निर्मित भी हो सकते हैं।

→ मेसापोटामिया सभ्यता ईराक में बनी।

→ टिगरिस और यूफ्रेटिस नदियां ईराक के लिए वरदान मानी जाती हैं।

→ भूमध्य सागर को छूने वाले एशियाई देश-

- तुर्की

- सीरिया

- लेबनान

- इजराइल

→ लेबनान और इजराइल उर्वरक उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं।

→ मृत सागर की लवणता बहुत अधिक है।

लवणीय जलशाय-

वेन झील > उर्मिया झील > मृत सागर (300%)

400% - 400 इकाई प्रति हजार
400 मिले (mile) → तुर्किये
350% → ईरान
जार्डन

→ विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार सऊदी अरब में है।

- हेर्मुज प्लसंधि कारस की खाड़ी को झोमान की खाड़ी से जोड़ती है।
- बाल-अल-मंडब लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ती है।
- ऑपरेशन राहत के तहत यमन में फंसे भारतीयों को निकाला गया।
- झोब की खाड़ी दुनिया की सबसे लम्बी खाड़ी है।
- झोब, येनिसे, पेचौरा और लीना नदियों के संगम में कोयला मिलता है।
- बैकाल दुनिया की सबसे गहरी झील है।
- बर्गेयासक उत्तरी ध्रुव में पाया जाने वाला सबसे बड़ा बिन्दु है।

USSR के विघटन के बाद
15 देश



→ CIS इन्हीं राज्यों का समूह है -

- ↳ स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्रमंडल
- बाल्टिक समूह के देश CIS से बाहर हो गये हैं।